# प्रारम्भिक वक्तव्य

माननीय सदस्यगण,

पंचम् झारखण्ड विधान सभा के सप्तम् (शीतकालीन) सत्र के शुभारंभ पर मैं आप सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। वर्तमान सत्र के दौरान कुल पाँच बैठकें निर्धारित हैं। वर्ष 2021-22 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरण के व्यवस्थापन के लिए एक दिन, राजकीय विधेयक के लिए दो दिन एवं गैर सरकारी संकल्प के लिए एक दिन निर्धारित है। इसके अतिरिक्त प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियमों के अधीन माननीय सदस्यों को जन-सरोकार से जुड़े विषयों और समस्याओं पर सत्र के दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण सूचनाएँ, प्रस्तावों और संकल्पों को उठाने के अवसर भी प्राप्त होंगे।

माननीय सदस्यगण, धरती आबा बिरसा मुण्डा, वीर सिद्धू-कान्हू, अमर सेनानी बुद्धु भगत, स्वतंत्रता समर के अप्रतिम नायक शेख बिहारी, जतरा टाना भगत और अमर शहीद गणपत राय की यह भूमि झारखण्ड अपने 21 वर्षों की चीर यौवन अवस्था को पूर्ण कर चुका है।

यह वर्ष हम सभी के लिए राज्य के उन सभी वीर सपूतों को नमन करने का भी है, जिन्होंने पृथक राज्य के लिए लम्बी लड़ाई, लोगों के अधिकार एवं जल, जंगल, जमीन की क्रांतिकारी भावना को आत्मसात कर संघर्ष किया था। 21 वर्षों के इस सफर में झारखण्ड विधान सभा ने जन समस्याओं के निराकरण और राज्य की जनता की उम्मीदों को पूरा करने का प्रयास किया है, उस प्रयास की कड़ी को पूरी सजगता, संवेदनशीलता और निष्ठा से हम सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ाना है।

साल 1971 में आज ही के दिन भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया था। विजय दिवस पर देश के उन सभी

वीर जवानों को मैं नमन करता हूँ जिनकी वीरता और बहादुरी हमें गौरवान्वित करती है।

यह साल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि संसदीय परम्पराओं के उत्तरोत्तर विकास के 100 साल भी इस वर्ष पूरे हुए हैं। सितंबर, 1921 में आज से लगभग 100 साल पहले पीठासीन पदाधिकारियों की पहली बैठक का आयोजन शिमला में किया गया था जो उस समय देश की ग्रीष्मकालीन राजधानी थी। यही नहीं, मांटेग्यू चेम्सफोर्ड सुधारों के बाद केन्द्रीय विधान मंडल के द्विसदनात्मक हो जाने एवं सदस्यों की संख्या में वृद्धि होने से सभा संचालन हेतु नये संसद भवन की आधारशिला भी 12 फरवरी, 1921 को रखी गई थी। यह संसद भवन छः साल बाद 18 फरवरी, 1927 को बनकर तैयार हुआ और तब से अब तक लोकतांत्रिक घटनाक्रमों के क्रमिक विकास का साक्षी रहा है।

माननीय सदस्यगण, हम सब सौभाग्यशाही हैं कि इस गरिमामयी ऐतिहासिक संस्था का अंग बनने का सौभाग्य हम सबको प्राप्त है। जो संस्था आजादी के पूर्व गोपाल कृष्ण गोखले, विट्ठल भाई पटेल, देशबन्धु चितरंजन दास जैसे महान विधायकों से एवं आजादी के बाद पण्डित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री एवं अनेकों महान जनप्रतिनिधियों से सुशोभित हुई, जिन्होंने पिछले 100 वर्षों में लोकतांत्रिक परंपराओं के जो मानदण्ड स्थापित किये हैं वे हमें भविष्य में आगे बढ़ने की राह दिखाते हैं।

माननीय सदस्यगण, इस वर्ष के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए सभा सचिवालय द्वारा युवाओं को संसदीय व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से झारखण्ड छात्र-छात्राओं के सदन की कार्यवाही संचालित करने का अवसर प्रदान किया था और मुझे प्रसन्नता है कि इस अभिनव प्रयोग को राज्य में और राज्य के बाहर राष्ट्रीय स्तर पर भी इसे सराहा गया।

अभी कुछ समय पहले तक कोरोना वायरस से जूझते हुए आम जन जीवन पटरी पर लौटने लगी थी। पर कोरोना वायरस के नए रूप ओमिक्रोम के आने से पुनः एक बार हमें सचेत होकर विकास की गतिविधियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का है। इसके लिए हम सभी को एकजुटता से कार्य करना होगा।

माननीय सदस्यगण, सत्र के सफल संचालन में आपकी सक्रिय भागीदारी आवश्यक ही नहीं, बल्कि अति आवश्यक है, क्योंकि सदनरूपी जीवंत मंच से राज्य की समस्याओं का निराकरण हो पाता है। यह सब आप सभी के सदन में होने से सार्थक विचार-विमर्श और संसदीय मर्यादाओं और परम्पराओं के पालन से ही संभव हो पायेगा।

माननीय सदस्यगण, सदन में सत्ता और विपक्ष की अपनी-अपनी सार्थक भूमिका है, जो प्रजातंत्र रूपी सरिता में निरंतर प्रवाहमान रहते हैं। सदन में जनप्रतिनिधि होने के नाते सभी मिलकर राज्य के विषय में चिंतन-मंथन करते हैं। सदन प्रजातंत्र का आधार स्तंभ है, जिसके द्वारा जनता विधान सभा में होने वाली कार्यवाहियों के माध्यम से सदन में अपने द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों के आचरण और कार्यवाही में भागीदारी का आकलन करती है। हम सभी का यह दायित्व है कि अपने आचरण और व्यवहार को मर्यादित रूप में प्रस्तुत कर सदन के समय का सदुपयोग करने में अपनी सार्थक भूमिका निभाएँ, जिससे जनोपयोगी जन सरोकार से संबंधित विभिन्न प्रश्नों को उठाने का अवसर मिल सके। मुझे पूर्ण विश्वास है आप सभी का सकारात्मक सहयोग राज्य हित में निश्चित रूप से प्राप्त होगा।

इन्हीं शुभकामनाओं सहित विश्वास के साथ आप सभी का पुनः अभिनन्दन।

-----